एम.ए.एच.

एम.ए. (इतिहास)
प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य
2018-19

एम.ए. इतिहास प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2018 और जनवरी 2019 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-01 : प्राचीन और मध्यकालीन समाज
एम.एच.आई.-02 : आधुनिक विश्व
एम.एच.आई.-04 : भारत में राजनीतिक संरचनाएं
एम.एच.आई.-05 : भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

सत्रीय कार्य
2018-2019

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. प्रथम वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख में आपको काफी समय दिया गया है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूंल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं। सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यों को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2018 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**31 मार्च 2019**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2019 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	**30 सितम्बर 2019**	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-01
प्राचीन और मध्यकालीन समाज

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-01
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-01/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. मानव ने कृषि का आरंभ किस प्रकार किया? इसने सामाजिक संरचना को किस प्रकार प्रभावित किया? **20**

2. काँस्य युगीन सभ्यताओं में लेखन के विकास तथा संचार की पद्धति का विस्तृत उल्लेख कीजिए। **20**

3. खानाबदोश साम्राज्य से आप क्या समझते हैं? पंद्रहवीं शताब्दी से पूर्व खानाबदोशों के देशांतरण (migration) की पद्धति की चर्चा कीजिए। **20**

4. क्लासिकीय ग्रीस और रोमन साम्राज्य में राज्य और राजनैतिक व्यवस्था की तुलना कीजिए। **20**

5. **निम्न में से किन्हीं दो पर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:** **10+10**
   i) असीरयाई साम्राज्य
   ii) पूर्व-आधुनिक चीन में धर्म
   iii) माया सभ्यता
   iv) पूर्व पाषाण कालीन औजार

भाग-ख

6. सामंतवाद से आप क्या समझते हैं? यूरोप में इसके दो चरणों का विश्लेषण कीजिए। **20**

7. समाज और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में मध्य युगीन समाज के आधुनिक विश्व में संक्रमण की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए। **20**

8. मध्यकाल में हिन्द महासागर में होने वाले समुद्री व्यापार का संक्षिप्त विवरण दीजिए। **20**

9. मध्यकालीन शहरों की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। इन शहरों के ग्रामीण क्षेत्रों से क्या संबंध थे? **20**

10. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :** **10+10**

    i) मध्यकाल के प्रमुख वैज्ञानिक विकास
    ii) यूरोप में युद्धों में बारूद का प्रयोग
    iii) मध्यकालीन यूरोप में जनसांख्यकी में परिवर्तन के प्रमुख कारक
    iv) मध्यकाल में कपड़ा उत्पादन

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-02
आधुनिक विश्व

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-02
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-02/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. राष्ट्रवाद क्या है? आधुनिक विश्व में राष्ट्रवाद के उदय पर एक आलोचनात्मक नोट लिखिए। **20**

2. पूँजीवाद की आलोचना करने वाले प्रमुख विचारों का विश्लेषण कीजिए। **20**

3. कल्याणकारी राज्य का अर्थ क्या है? ब्रिटिश और जापानी कल्याणकारी राज्यों की तुलना कीजिए। **20**

4. सोवियत रूस में 1917 की क्रांति के पश्चात समाजवादी अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताओं की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। **20**

5. **निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) टिप्पणियाँ लिखिए:** **10+10**
   (i) पुनर्जागरण के युग में मनुष्य की नई दृष्टि
   (ii) नीत्शे के ज्ञानोदय संबंधी विचार
   (iii) आधुनिक समाज की विशेषताएँ
   (iv) अल्पविकास का अर्थ **20**

भाग-ख

6. आधुनिक अंतराष्ट्रीय संबंध उभारने में निहित सैद्धांतिक एवं आर्थिक प्ररेणा की चर्चा कीजिए। **20**

7. उपनिवेशवाद क्या है? उपनिवेशवाद के विभिन्न चरणों की चर्चा कीजिए। **20**

8. आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के विकास पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

9. पारिस्थितिकी पर औद्योगिकीकरण एवं शहरीकरण के प्रभाव का वर्णन कीजिए। **20**

10. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर (प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :** **10+10**
    (i) साम्राज्यवाद की व्याख्या करने वाले आर्थिक सिद्धांत
    (ii) फ्रांसीसी क्रांति की सांस्कृतिक विरासत
    (iii) आधुनिक युद्धों की सीमाएँ
    (iv) उपभोक्तावाद की परिभाषा

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-04
भारत में राजनीतिक संरचनाएं

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-04
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-04/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. प्रारंभिक ऐतिहासिक काल में तमिलकम में राजनैतिक व्यवस्थाओं के स्वरूप का संक्षेप में विश्लेषण कीजिए। पूर्व-राज्य से राज्य की ओर संक्रमण कैसे हुआ? 20
2. प्रारंभिक मध्यकाल में राजपूतों के शासन में राज्य-गठन की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 20
3. मुगल राज्य के स्वरूप की चर्चा कीजिए। 20
4. औपनिवेशिक राज्य द्वारा नियंत्रण के लिए प्रयुक्त किए गए तरीकों पर टिप्पणी लिखिए। 20
5. **संक्षेप में निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में (प्रत्येक) टिप्पणी लिखिए:** **10+10**
   (क) गण-संघ
   (ख) बरनी के फतवा-ए-जहांनदारी (शासन पर नीतिवचन)

भाग-ख

6. प्राचीन भारत की विधि एवं न्यायिक व्यवस्था का वर्णन कीजिए। 20
7. दिल्ली सलतनत के शासन में प्रांतीय एवं स्थानीय प्रशासन की चर्चा कीजिए। 20
8. बहमनी शासकों की प्रशासन व्यवस्था का संक्षेप में विवरण दीजिए। 20
9. भारत में औपनिवेशिक राज्य द्वारा प्राकृतिक संसाधनों को नियंत्रित कैसे किया गया? 20
10. **संक्षेप में निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में (प्रत्येक) टिप्पणी लिखिए** **10+10**
    (क) ब्रह्मदेव और नगरम
    (ख) मुगल कुलीन वर्ग

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई.-05
भारतीय अर्थव्यवस्था का इतिहास

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-05
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-05
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में विभाजित है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के अध्ययन संबंधी इतिहासलेखन के नवीन रूझानों की चर्चा कीजिए। **20**

2. हड़प्प सभ्यता की समकालीन सभ्यताओं को चित्रित कीजिए। नवपाषाण-ताम्रपाषाण सभ्यताओं में मुखियातंत्र के अस्तित्व की संभावनाओं का परीक्षण कीजिए। **20**

3. 6-13वीं शताब्दियों के दौरान उत्तर भारत में शिल्प उत्पादन के संगठन के स्वरूपों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

4. मध्यकालीन नगरों के अध्ययन संबंधी विभिन्न विचारधाराओं का परीक्षण कीजिए। **20**

5. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर (प्रत्येक 250 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:** **10+10**

   क) प्रारम्भिक नगरों की पहचान संबंधी गार्डन चाइल्ड की आवधारणा
   ख) 6-10वीं शताब्दियों में पल्लव और पांड्य क्षेत्रों में सिंचाई
   ग) *खुदकाश्त* और *पाई काश्त*
   घ) मध्यकाल में भवन निर्माण

भाग-ख

6. मध्यकाल में व्यावसायिक पद्धतियों के विकास का परीक्षण कीजिए। **20**

7. मध्यकाल में उत्तर भारत में संचार तंत्र के विस्तार की चर्चा कीजिए। **20**

8. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि प्रारम्भिक औपनिवेशिक नीति प्राकृतिक संरक्षण के बजाय व्यावसायिक आवश्यकताओं से प्रेरित थी? व्याख्या कीजिए । **20**

9. प्रारम्भिक जनगणना की चर्चा कीजिए। प्रारम्भिक औपनिवेशिक जनगणना के आंकड़ों की क्या सीमाऐं थीं? **20**

10. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर (प्रत्येक 250 शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:** **10+10**

    क) फारसी रहट
    ख) निजी यूरोपीय व्यापारी
    ग) स्थायी बन्दोबस्त
    घ) कृषि आंकड़ों संबंधी विवाद